HSBC Mutual Fund

अपने पोर्टफोलियो के लिए निर्यात करने के अवसर।

आज भारत दुनिया में शीर्ष १० निर्यातकों में से एक है। ये निर्यात देश के सकल घरेलू प्रोडक्ट (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जो जीवन स्तर को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। निर्यात के लिए वस्तुओं की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता से विदेशी मुद्रा लाने के अवसर भी मिलते हैं जिसका उपयोग बाहरी दायित्वों को पूरा करने के लिए किया जाता है। यह आपके पोर्टफोलियो के लिए निर्यात को एक अच्छा अवसर बनाता है।

भारत में निर्यात थीम को बढ़ाने वाले प्रमुख कारक

- श्रम में नेतृत्व – लागत और कौशल दोनों
- भू-राजनीति और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण
- नीतियाँ, सुधार और प्रोत्साहन
- बाज़ार के सभी हिस्सों के लिए कैटरिंग (लो-एंड से हाई-एंड)

२०२३-३० के दौरान निर्यात ~१५% सीएजीआर की तुलना में १०% की नाममात्र जीडीपी वृद्धि से बढ़ेगा

नाममात्र जीडीपी	2023	३.६ ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर	2x	▶	2030E	७ ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर
भारत का निर्यात	2023	७८३ बिलियन अमेरिकी डॉलर	2.5x	▶	2030E	२ ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर
उत्पाद निर्यात	2023	४४१ बिलियन अमेरिकी डॉलर	2.2x	▶	2030E	१ ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर
सेवाओं का निर्यात	2023	३४१ बिलियन अमेरिकी डॉलर	2.9x	▶	2030E	१ ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर

उभरते हुए क्षेत्रों की ओर बदलाव की शुरुआत

- व्यापार बढ़ाने के लिए चयनित विकास क्षेत्रों पर जोर दिया जाएगा
- घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ाया जाएगा
- वैश्विक मांगों को पूरा करने के लिए क्षमता निर्माण के लिए केंद्रित पहल

निर्यात एक मजबूत और स्थिर अर्थव्यवस्था बनाने में मदद करता है।

- निर्यात से होने वाले राजस्व को राष्ट्रीय आय में जोड़ा जाता है, जो आर्थिक विकास को गति देता है
- वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए उच्च उत्पादन से बड़े पैमाने की किफायतें, कम लागत, बेहतर मुनाफ़ा और वैश्विक कॉर्पोरेट छवि बेहतर हो सकती है
- वैश्विक बाज़ारों के संपर्क में आने से कंपनियों को नवाचार करने और उत्पादकता तथा दक्षता में सुधार करने के लिए प्रेरित किया जाता है
- निर्यात सीधे देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान देता है और अतिरिक्त उत्पादन से रोजगार सृजन होता है

भारत के बढ़ते निर्यात से फ़ायदा उठाने का अवसर आपको जल्द ही मिलने वाला है।

www.assetmanagement.hsbc.co.in

हमें यहाँ फॉलो करें

स्रोत: वाणिज्य मंत्रालय, एचएसबीसी म्यूचुअल फंड, आरबीआई। ३१ जुलाई २०२४ तक के आंकड़े। उपरोक्त जानकारी केवल उदाहरण के लिए है। इस दस्तावेज़ में उल्लिखित सेक्टर (ओं)/स्टॉक (ओं)/जारीकर्ता (ओं) किसी रिसर्च रिपोर्ट का गठन नहीं करते हैं और न ही इसे निवेश शोध, निवेश सुझाव या इस सामग्री के किसी पाठक को कोई भी स्टॉक/निवेश ख़रीदने या बेचने की सलाह के तौर पर माना जाना चाहिए। फंड पोर्टफोलियो में इन क्षेत्र (ओं)/स्टॉक (ओं)/जारीकर्ता (ओं) में कोई मौजूदा/भविष्य की स्थिति हो सकती है या नहीं भी हो सकती है। **पिछला प्रदर्शन भविष्य में कायम रह भी सकता है और नहीं भी और यह भविष्य में रिटर्न की गारंटी नहीं है।**

यह दस्तावेज़ केवल भारतीय अधिकार क्षेत्र में वितरण के लिए है और भारत के बाहर या एनआरआई के लिए नहीं। एचएसबीसी एमएफ भारत के बाहर किसी के द्वारा एक्सेस किए जाने पर किसी भी उल्लंघन के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। अधिक जानकारी के लिए, वेबसाइट देखें पर क्लिक करें।

निवेशकों से अनुरोध है कि वे ध्यान दें कि सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, १९९६ और उसके तहत जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, एचएसबीसी एएमसी, उसके कर्मचारियों और/या सूचीबद्ध वितरकों/एजेंटों को एचएसबीसी म्यूचुअल फंड की योजनाओं के किसी भी रिटर्न या भविष्य के प्रदर्शन की गारंटी देने/वादा करने/आश्वासन देने/भविष्यवाणी करने से मना किया गया है। इसलिए कृपया ऐसे किसी भी कथनों/प्रतिबद्धताओं पर भरोसा न करें। अगर आपको इस तरह के किसी भी व्यवहार का सामना करना पड़ता है, तो कृपया investor.line@mutualfunds.hsbc.co.in पर ईमेल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराएं।

म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिम के अधीन हैं, योजना से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें।

CL 1805